बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

धनवान आदमी, गरीब आदमी

लेखक : Edward Hughes

अनुवाद : Suresh Kumar Masih

व्याख्याकार : M. Maillot; Lazarus

रूपान्तरकार : M. Maillot; Sarah S.

60 कहानियों में से 44 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

एक अमीर आदमी था
जो बहुत महंगा और
सुंदर कपड़े पहनता था।
वह एक राजा की तरह
कपड़े पहनता था।

3

अमीर आदमी बहुत अच्छा भोजन खाता था। हर समय का भोजन एक बड़ी दावत की तरह था। उसके पास इतना पैसा था की उसे जब, जो चाहिए, खरीद सकता था, चाहे सुबह का नास्ता, दोपहर और शाम का भोजन या
खाली समय में खाने
का नास्ता।

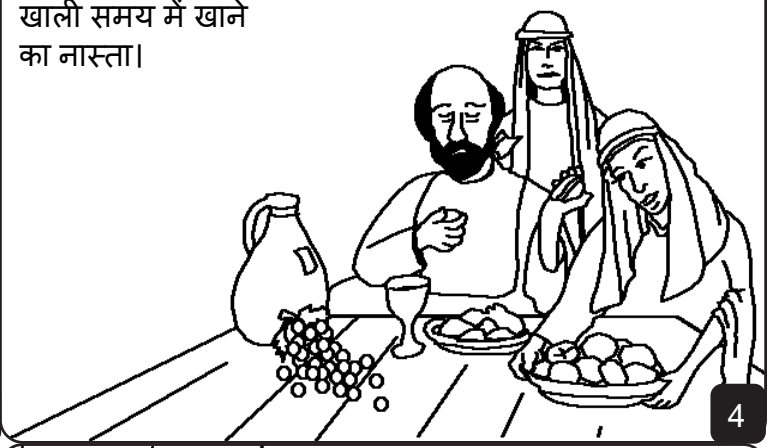

4

अमीर आदमी के घर के गेट पर एक गरीब, बीमार, भूख से मरता भिखारी रहता था। उसका नाम लाजर था।

5

गरीब लाजर घावों से भरा हुआ था। हो सकता है वह एक रोगी था। हो सकता है वह दूसरों द्वारा दिए चोट के कटे निशान और घावों से भरा था। शायद वह, घावों से इसलिए भरा था क्योकि वह दूध, सब्जियां या मांस की तरह
अच्छा भोजन नहीं
खा सका था।

6

लाजर भोजन के
लिए तड़पता
था। वह अमीर
आदमी की मेज
से गिरे जूठन के
टुकड़ों से ही खुश
हो जाता था।

7

आवारा कुत्ते
कभी कभी गरीब
असहाय भिखारी
को रगड़ते थे। वे
उसके आसपास
सूँघते और उसके
घावों को चाटते
थे। यहाँ तक की
कोई भी उसकी
परवाह नहीं की,
पर लाजर भूख
से मर रहा था।

8

एक सुबह, लाजर नींद से उठ नहीं पाया। गरीब भूख से मरता, मित्रहीन भिखारी इस जीवन को छोड़ चुका था। लाजर मर गया था।

9

मरने के बाद लाजर के लिए ख़ुशी का पल आया। यीशु स्वर्गदूतों को आज्ञा दी की उसे इब्राहीम के साथ होने के लिए उसे ले जाओ। परमेश्वर ने लाजर को सान्त्वना दी।

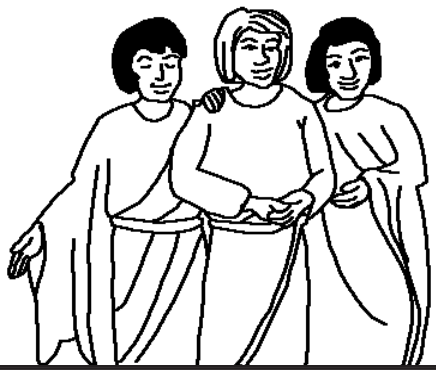

10

अब अमीर आदमी की भी मृत्यु हो गयी। उसके सारे पैसे उसके जीवन को नहीं बचा सके। जब मौत आती है तो, कोई भी इसे रोक नहीं सकता है।

11

अमीर आदमी को दफनाया गया। शायद यह एक बड़ा अंतिम संस्कार समारोह था। शायद लोगों ने अमीर आदमी को होशियार और सफल होने के लिए प्रशंसा भी की। लेकिन उनकी प्रशंसा भी उसे मदद नहीं की। अमीर आदमी अब नरक में था।

12

नरक में, अमीर आदमी चिल्लाया, "हे पिता इब्राहीम, लाजर को भेज ताकि वह पानी में अपनी उंगली का छोर डुबाकर मेरी जीभ पर रखे ताकि शांत हो सके; क्योकि मैं इस लौ में तड़प रहा हूँ।"

13

"इब्राहीम अमीर आदमी को याद दिलाया," पृथ्वी पर के जीवन में तुम्हारे पास सब कुछ था और लाजर के पास कुछ भी नहीं था। "अब लाजर को शान्ति और तुम्हे तड़पना हैं हम दोनों के बीच महान खाड़ी को कोई भी पार नहीं कर सकता हैं।"

14

"अमीर आदमी ने बिनती की" मेरे पांच भाई को सचेत करने के लिए लाजर को भेज दे। "मैं उन्हें इस पीड़ा की जगह में तड़पने देना नहीं चाहता हूँ।"

15

इब्राहीम ने उत्तर दिया, "तुम्हारे भाइयों के पास परमेश्वर के वचन है" यदि वे पांच भाई बाइबल पर विश्वास नहीं कर सकते तो यदि, लाजर मृतकों में से वापस जाये तो भी, वे उसपर विश्वास नहीं करेंगे।

16

जब यीशु धनवान व्यक्ति और लाजर की कहानी समाप्त की, उस वक्त धार्मिक नेताओं ने शायद खुद से पूछा होगा।

17

"क्या मै परमेश्वर से अधिक धन को प्रेम करता हूँ?" अब वे जान लिए थे की यदि परमेश्वर के वचन का पालन नहीं करेंगे तो उनका हाल कैसा होगा।

18

धनवान आदमी, गरीब आदमी

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

लूका 16

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.